DR. BHALCHANDRA MUNGEKAR (Nominated): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SOME HON. MEMBERS: Sir, we too associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All hon. Members who wish to associate, may do so.

Police excesses against women and children of a village in Alwar, Rajasthan

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): उपसभापति महोदय, आज मैं राजस्थान में मेवाती मुसलमानों के गांव में महिलाओं और बच्चों पर पुलिस अत्याचार की बर्बरता और अमानवीय घटक की बात को यहां उठाना चाहता हूं। अलवर जिले के किशनगढ़ में एक सीरमोली गांव है, जिसमें एक ईस्माइल का बास (टोला) है। अलवर पुलिस ने एक कोबरा पुलिस बल का गठन किया है, जो पूरे राजस्थान कहीं में नहीं है, जो वहीं है। वह पुलिस रात में वहां जाती है। उसकी ड्रेस अलग है, उसका मुंह ढका होता है, उसका बैज नहीं होता है, कोई महिला पुलिस नहीं होती है, वह रात में जाती है। यह किसी एक गांव की घटना नहीं है, तमाम मेवाती मुसलमानों के गांवों में इस तरह की वारदातें हो रही हैं। मैं यहां नाम भी गिनाऊंगा।

महोदय, आप जानते हैं, रमजान का महीना चल रहा है। वहां औरतें छत पर नमाज पढ़ रही थी एशा की नमाज पढ़ रही थीं, तरावी की इबादत कर रही थीं। वहां छूटन नाम की एक औरत है, उसको पुलिस ने डंडे से पीटा, लाठी से पीटा, जो मिसकीना उसकी पतोहू है, वह भी नमाज पढ़ रही थी, उसको भी पीटा और वकीला, जो एक गर्भवती औरत है, उसको भी बुरी तरह से पुलिस ने पीटा । उस बल का नेतृत्व एक आई.पी.एस. ट्रेनी अफसर कर रहा था, जिसने एब्यूजिव लैंग्वेज तक यूज़ की। उस घर के पंखें तोड़े, खाट तोड़ी और फिर वहां से दूसरी छत पर चले गए। वहां नूरजहां खड़ी थी, जो पहले नमाज पढ़ रही थी, वह अपने 6 महीने के बच्चे को लेकर खड़ी हो गई, उसके बगल में एक रईसन नाम की औरत खड़ी थी, उनको भी पुलिस वाले उसी तरह से पीटते हैं। उसके 6 महीने के बच्चे को उसकी गोद से निकाल कर पटक देते हैं। ...(**व्यवधान**)... महोदय, जब पटक देते हैं, तो उसका 10 साल का बेटा साहिल अपनी मां के सिर पर गिर जाता है, तो पुलिस उसको भी पीटती है और उसके मूंह में राइफल की नली घुसा देती है। जब मैं पिछले दिन वहां देखने के लिए गया, तो उसका ओंठ फूला हुआ था।

महोदय, पुलिस यहीं नहीं रुकी। जो बगल में एक मस्जिद है, उस मस्जिद के बगल में हुजरा होता है, हुजरा इमाम के रहने की जगह होती है, यहां वह इबादत भी करता है, तो उस हुजरा की कुंडी तोड़कर पुलिस अंदर जाती है। उसक बाद मस्जिद में पुलिस घुसती है, मस्जिद के सेहन पर, मस्जिद के फर्श पर जूते पहन कर पुलिस के लोग जाते हैं और जो मस्जिद के अंदर में गर्भगृह है, ताला लगाकर इमाम बाहर आते हैं, तो इमाम को भी गाली देते हैं ...(**व्यवधान**)...*

*Not recorded.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. Time over. ...*(Interruptions)*... Mr. Ansari, it is not going on record. ...*(Interruptions)*... Mr. Ansari, It is not going on record.

श्री अली अनवर अंसारी : *

श्री उपसभापति : खत्म हो गया। आपका रिकॉर्ड में नहीं आ रहा। आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... रिकार्ड में नहीं आ रहा। All those who wish to associate, may associate.

श्रीमती कनक लता सिंह (उत्तर प्रदेश) : सर, मैं भी एसोसिएट करती हूं।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश) : सर, मैं भी एसोसिएट करती हूं।

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश) : सर, मैं भी एसोसिएट करता हूं।

†**چودھری منّور سلیم (اتّر پردیش) :** سر، میں بھی ایسوسی۔ایٹ کرتا ہوں۔

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHIR D. BANDYOPADHYAY (West Bengal) : Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्री गुलाम रसूल बलियावी (बिहार) : सर, मैं भी एसोसिएट करता हूं।

†**جناب غلام رسول بلیاوی (بہار) :** سر، میں بھی ایسوسی۔ایٹ کرتا ہوں۔

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार) : सर, मैं भी एसोसिएट करती हूं।

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI RAM NATH THAKUR (Bihar): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्री हुसैन दलवई (महाराष्ट्र) : सर, मैं भी एसोसिएट करता हूं।

डा. भालचन्द्र मुणगेकर (नाम-निर्देशित) : सर, मैं भी एसोसिएट करता हूं।

कुछ माननीय सदस्य : सर, हम भी एसोसिएट करते हैं।

श्रीमती जया बच्चन : सर, माननीय मंत्री महोदया यहां बैठी हुई हैं और बहुत वरिष्ठ नेता भी हैं, तो माननीय सदस्य ने जो कहा, अगर उनको जानकारी है तो उसके जवाब में वे हाउस को एक आश्वासन तो दे दें। ...(**व्यवधान**)...

*Not recorded.
†Transliteration in Urdu script.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Would you like to react hon. Minister?

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI GHULAM NABI AZAD): The Home Minister should give a statement on this. ...*(Interruptions)*...

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री (डा. नजमा ए. हेपतुल्ला) : सर, लॉ एंड ऑर्डर स्टेट का सब्जेक्ट है। जो माननीय सदस्य ने कहा है, मैं होम मिनिस्टर साहब तक वह पहुंचा दूंगी। ...(**व्यवधान**)...

श्री अली अनवर अंसारी : महिलाओं पर वर्षों से अत्याचार होते रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : प्लीज...प्लीज...(**व्यवधान**).. उनको बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)... You listen to the Minister. ...*(Interruptions)*... आप सुनिए। ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए ...सुनिए...सुनिए। ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए, मंत्री महोदया बोल रही हैं। आप सुनिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री अविनाश राय खन्ना (पंजाब) : एक मिनट आप मंत्री जी की बात तो सुन लीजिए। ...(**व्यवधान**)... आप सुनना नहीं चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)...

डा. नजमा ए. हेपतुल्ला : इन्होंने जो बात उठाई है, उसका ताल्लुक स्टेट गवर्नमेंट से है। यह लॉ एंड ऑर्डर का मैटर है।

श्री उपसभापति : लेकिन यह विमेन एंड चिल्ड्रन की बात है।

डा. नजमा ए. हेपतुल्ला : मैं होम मिनिस्टर साहब तक इस मामले को पहुंचा दूंगी और जो भी इन्क्वारी आवश्यक होगी, वे जरूर करेंगे।

श्री उपसभापति : यह विमेन एंड चिल्ड्रन की बात है, इसलिए यह हो सकता है। श्री तरुण विजय, आप बोलिए।

Beating of students of North-East resulting in death of a student in New Delhi

श्री तरुण विजय (उत्तराखंड) : उपसभापति महोदय, मैं आज मणिपुर के 29 वर्षीय युवक, शलोनी को गत रात जो पीट-पीटकर दिल्ली में मार दिया गया, उस घटना की भर्त्सना के लिए और उस परिवार के साथ पूरे सदन की सहानुभूति और हमदर्दी के लिए खड़ा हुआ हूं।

महोदय, यह पहली घटना नहीं है। दिल्ली में लगातार उत्तर पूर्वांचल के बच्चों के साथ, युवक-युवतियों के साथ जो दानवी, पाशविक, अमानवीय अत्याचार हो रहे हैं, उनकी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। महोदय, यह वह उत्तर पूर्वांचल है, जहां से देश के सबसे ज्यादा बहादुर बच्चे, लड़के, फौजी मिलते हैं, जो भारत के तिरंगे के लिए जान देते हैं। यह वह पूर्वांचल है, जिसको सुंदरता में राम मनोहर लोहिया जी ने भारत का 'यक्ष प्रदेश' कहा था। यह वह पूर्वांचल है, जहां से रानी Gaidinliu हुईं, जिनको पंडित नेहरू ने, कोहिमा की जेल में जब वे मिलने गए, तो उनको रानी का खिताब दिया और श्रीमती गांधी ने उनको पद्मभूषण और स्वतंत्रता सेनानी का ताम्र-पत्र दिया था। 16 साल की उम्र में उन्होंने अंग्रेजों के साथ गुरिल्ला युद्ध किया था, लेकिन आप कितना जानते हैं पूर्वांचल के बारे में?